हथकरघों और विद्युत् चालित करघों द्वारा मोटे धागे और कपड़े का उत्पादन

3385. **श्री चिरंजीव झा :** क्या औद्योगिक विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या खादी ग्रामोद्योग आयोग ने 16 करोड़ रुपये की लागत वाली एक विशेष योजना सरकार को प्रस्तुत की है जो मोटे धागे के उत्पादन और हथकरघों तथा विद्युत् चालित करघों द्वारा कपड़े के बड़े पैमाने पर उत्पादन किए जाने के संबंध में हैं ; और

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

औद्योगिक विकास मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) जी हां, मोटे कपड़े (लोक वस्त्र) के उत्पादन के लिए खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रस्तुत विशेष योजना में, चौथी योजना की शेष अवधि में 10 करोड़ रुपये की राशि सम्मिलित है ।

(ख) योजना सरकार के विचाराधीन है ।

खादी ग्रामोद्योग की वस्तुओं को खुली प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए योजना

3386. **श्री चिरंजीव झा :** क्या औद्योगिक विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग ने सरकार को एक योजना प्रस्तुत की है जिसमें मिलों तथा बड़े कारखानों से होने वाली प्रतिस्पर्धा से खादी तथा ग्रामोद्योग वस्तुओं को बचाने के उपायों का सुझाव दिया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो उन्हें स्वीकार करने तथा उनको क्रियान्वित करने में क्या कठिनाइयां हैं ?

औद्योगिक विकास मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

Irregularities in the Accounts of Bihar Khadi Gramodyog Sangh Darbhanga (Bihar)

3387 SHRI BHOGENDRA JHA Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No 4853 on the 3rd May, 1972 regarding irregularities in the Accounts of Bihar Khadi Gramodyog Sangh, Darbhanga (Bihar) and state.

(a) whether any responsibility has been fixed and action taken for the discrepancy of Rs 3 05 lakh in the loan account of the Bihar Khadi Gramodyog Sangh, and

(b) if so, the persons held responsible and the nature of action taken?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (SHRI SIDDHESHWAR PRASAD). (a) and (b) The Bihar Khadi Gramodyog Sangh is a society registered under the Societies Registration Act of 1860 and its affairs are managed by a Board of Trustees Therefore, the question of the Khadi and Village Industries Commission fixing responsibility does not arise. The discrepancy mentioned in reply given to Unstarred Question No. 4853 on the 3rd May, 1972 was Rs. 0.35 lakhs (not Rs. 3.05 lakhs). This is an internal matter of the Sangh which is taking suitable action in the matter.